नवभारत
भोपाल, सोमवार 15 सितम्बर, 2025

स्टेशन पर बाबा की हत्या, चाकू से उतारा मौत के घाट

खास बातें
- पुलिस को सीसीटीवी फुटेज से मिले हत्यारे का सुराग
- रेलवे स्टेशन पर मुसाफिरों की सुरक्षा पर सवाल उठे

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा 14 सितम्बर, बासौदा के रेल्वे स्टेशन के मुख्य द्वार के बिल्कुल सामने प्लेटफार्म नंबर 1 पर बैठे एक बाबा, जिसकी उम्र करीब 40 वर्ष के आसपास बताई जा रही है.हत्या का यह वारदात शनिवार-रविवार की दरमियान रात करीब 3 से 4 बजे के बीच की बताई जा रही है. किसी अज्ञात हत्यारे ने बड़ी ही निर्दयता से धारदार हथियार कई बार हमला कर मौत के घाट उतार दिया. सूत्रों के अनुसार हत्यारे ने करीब आधा दर्जन बार, बाबा पर चाकू से प्रहार किया. यह घटना मुख्य रेलवे स्टेशन की लेकिन मौके पर न किसी आम नागरिक ने बाबा की जान बचाने की कोशिश की और जीआरपी या आरपीएफ के कोई जवान मौके पर नहीं पहुंचे और इसका फायदा उठाकर हत्यारा बड़ी ही आसानी से घटना को अंजाम देकर फरार हो गया. मुख्य रेलवे स्टेश पर हुई घटना के कारण पूरे शहर में सनसनी है. लोगों का कहना है कि अगर रेल्वे स्टेशन जहां सुरक्षा के तमाम इंतजाम होते हैं, अगर वहीं इतनी निर्दयता से हत्या हो जाए तो फिर यात्रियों की सुरक्षा का जिम्मेदार कौन है. घटना की जानकारी लगते ही रेलवे पुलिस तत्काल सक्रिय हुई और मर्ग कायम कर शव को स्थानीय राजीव गांधी जन चिकित्सालय मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा है और जांच प्रारंभ की है. रेलवे स्टेशन के अंदर और बाहर सहित शहर के अनेक स्थानों पर लगे सीसी टीवी कैमरों को खंगाला जा रहा है. प्राप्त जानकारी के अनुसार रेलवे पुलिस को हत्यारे का कुछ सुराग भी लगा है, जिसके अनुसार पुलिस हत्यारे की तलाश में जुटी हुई है. खबर लिखे जाने तक पुलिस जगह जगह सीसीटीवी फुटेज के आधार पर हत्यारे की तलाश कर रही थी.

रेलवे स्टेशन बना आश्रय स्थल

बासौदा रेल्वे स्टेशन की स्थिति यह है कि वह रेल्वे स्टेशन कम और रैन बसेरा ज्यादा बन गया है. रेलवे स्टेशन पर कोई भी आता है और रात्रि विश्राम करता है और फिर सुबह फिर अपने काम भीख मांगने को निकल जाता है न तो कोई पूछने वाला है न कोई टोकने वाला कि इतने लोग बिना टिकट रेल्वे स्टेशन पर प्रतिदिन क्यों सोते हैं. इस दिल दहला देने घटना ने सुरक्षा की पोल भी खोल दी है.

असामाजिक तत्वों का रहता जमावड़ा

रेल्वे स्टेशन क्षेत्र में असामाजिक तत्वों का जमावड़ा बना रहता है जुआ, सट्टा, अवैध नशे का कारोबार खुले आम चल रहा है लेकिन स्थानीय प्रशासन, रेल्वे प्रशासन का इस ओर कोई ध्यान नहीं है. देर रात तक दुकानें खुली रहती हैं, लोगों का जमावड़ा बना रहता है. सूत्रों के अनुसार तय समय के बाद भी शराब दुकान खुली रहती है. यही हाल रेलवे स्टेशन सीमा क्षेत्र में भी है, मॉल गोदाम की तरफ अंधेरा होते ही असामाजिक तत्व व नशेलची प्रवृत्ति के लोग सक्रिय हो जाते हैं. जब कभी कोई शिकायत करने पहुंचता भी है तो उसे पर्याप्त पुलिस बल ना होने का रोना सुना दिया जाता है. ऐसे में आमजन की सुरक्षा की जिम्मेदारी किसकी है.

ग्वालियर हाई कोर्ट ने याचिका स्वीकार की एएसआई और सरकार से जवाब तलब

विदिशा का विजय मंदिर का मामला

नवभारत न्यूज

विदिशा 14 सितम्बर, स्थित ऐतिहासिक विजय मंदिर, जिसे बीजामंडल के नाम से भी जाना जाता है, को लेकर ग्वालियर हाई कोर्ट में दायर याचिका स्वीकार कर ली गई है. अदालत ने पुरातत्व विभाग और अन्य सरकारी पक्षों से जवाब मांगा है.

विजय मंदिर (बीजामंडल) को लेकर लंबे समय से चल रहे विवाद पर अब कानूनी लड़ाई तेज हो गई है. याचिकाकर्ताओं का कहना है कि उन्होंने पिछले दो वर्षों में इस विषय पर आंदोलन किए थे, परंतु मंदिर में पूजा के लिए ताला नहीं खोला गया. बीजामंडल को वर्तमान में एएसाआई के दस्तावेज़ों में बीजा मंडल मस्जिद के रूप में दर्ज किया गया है. याचिकाकर्ता शुभम वर्मा ने बताया कि उन्होंने अपनी टीम के साथ ऐतिहासिक दस्तावेज, शिलालेख और एएसाआइ कार्यालय से अभिलेख जुटाए और वरिष्ठ वकील हरिशंकर जैन तथा विष्णु शंकर जैन को प्रस्तुत किए. लगभग 118 पृष्ठों की याचिका तैयार की गई और इसे ग्वालियर हाई कोर्ट में दायर किया गया. अदालत ने इसे स्वीकार करते हुए पुरातत्व विभाग और सरकार से जवाब तलब किया है. याचिका में मांग की गई है कि एएसआइ के अभिलेखों से मस्जिद शब्द हटाकर मंदिर लिखा जाए और हिंदू पक्ष को वर्षभर पूजा करने का अधिकार दिया जाए. याचिकाकर्ताओं में वरिष्ठ वकील हरिशंकर जैन शुभम वर्मा , राकेश यादव, मणि मुंजाल और राहुल देवाण शामिल हैं. याचिकाकर्ताओं का दावा है कि 1682 में औरंगज़ेब के आदेश पर इस मंदिर को तोड़ा गया था और तब से यह विवाद चल रहा है. हालांकि, इस ऐतिहासिक दावे की सत्यता पर अदालत ने अभी कोई निर्णय नहीं दिया है। मामले की अगली सुनवाई की प्रतीक्षा है. बताया गया कि 350 साल से मुक्ति के लिए आंदोलन किया जा रहा है.

शहर वाचनालय से मनाया अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा, शहर वाचनालय पाठक संघ के तत्वाधान में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया गया.कार्यक्रम का संचालन दीपक तिवारी द्वारा किया गया एवं वरिष्ठ समाजसेवी सुनील बाबू पिंगले ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रतिवर्ष 8 सितंबर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाया जाता है. इस अवसर पर हम लोग यही सोचते हैं कि साक्षरता का अर्थ केवल पढ़ना लिखना जानना है.लेकिन यह शिक्षा और साक्षरता का अंतिम लक्ष्य नहीं है. दरअसल शिक्षा का अर्थ केवल किताबें और परीक्षाओं तक सीमित भी नहीं है शिक्षा वह है जो व्यक्ति को बेहतर नागरिक बनाएं आत्मनिर्भर बने समाज को सशक्त करें और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दे आज भी दुनिया भर में 77.3 करोड़ लोग निरक्षर हैं.वहीं भारत में 25 करोड लोग निरक्षर हैं.सरकार का लक्ष्य की 2027 तक 100 प्रतिशत साक्षरता प्राप्त की जाए. अंत में वाचनालय प्रभारी सतीश शिल्पकार द्वारा आभार व्यक्त किया. इस अवसर पर गोपाल सिंह ठाकुर, मनोज ऐलिया ,जगदीश तिवारी सहित अनेक पाठक उपस्थित थे.

युवा चेतना शिविर को लेकर हुई गोष्ठी

नवभारत न्यूज

ग्यारसपुर, खजियाबाग के हनुमान जी महाराज के दरबार में गायत्री परिवार की बैठक आयोजित की गई.जिसमें विदिशा से आए सौरभ गुप्ता एवं अन्य परिजनों के द्वारा बैठक में भोपाल में होने जा रहा युवा चिंतन शिविर को लेकर गोष्ठी आयोजित की गई. जिसमें उन्होंने अक्टूबर माह के 27 से 29 अक्टूबर तक होने वाले तीन दिवसीय शिविर के बारे में विस्तार से जानकारी दी.गोष्ठी में ग्यारसपुर के लीलाधर कुशवाह, अजब सिंह राजपूत, सुनील कुमार चौरसिया, सीताराम कुशवाहा, अनोखी लाल सिसोदिया, सीताराम नरवरिया, लक्ष्मण सिंह लोधी, मौजूद रहे.

घर से भागी नाबालिग लड़की को ढूंढा

नवभारत न्यूज

पठारी, विदिशा जिले में गुमशुदा एवं गायब लोगों के लिए स्क्क के निर्देशन में ऑपरेशन मुस्कान चलाया जा रहा है जिसके अंतर्गत पठारी थाना के कांकरोन गांव की एक 17 वर्षीय नाबालिक लड़की परिजनों से नाराज होकर घर से भाग गई थी जिसे वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में पठारी थाने के थाना प्रभारी गौरव बाजपेयी हेड कांस्टेबल उत्तम सिंह एवं महिला कांस्टेबल कात्यानी नायक, वीरेंद्र ने कड़ी मेहनत के बाद बरेठ रेलवे स्टेशन से बरामद कर लिया और लड़की के परिजन बाहर होने के कारण नहीं आ सके इसलिए आवश्यक कार्रवाई के बाद नाबालिक लड़की को वन स्टॉप सेंटर विदिशा में भेज दिया है.

कथा से दूर होते विकार, मिलती शांति,मिटते संशय-प्रमेहानंद

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा, पं. श्री प्रमेहानंद शास्त्री ने भागवत कथा वर्णन करते हुए कहा कि भागवत कथा सुनकर मन के विकार दूर होते है.मन को शांति मिलती है और संशय मिटते है साथ ही व्यक्ति को मोक्ष की और प्रेरित करना है जो भक्ति ,ज्ञान के माध्यम से प्राप्त होता है यह कथा जीबन के गहरे अर्थ को समझाती है और व्यक्ति को मोह,शोक,भय से मुक्त करके शांति ब आनंद की और ले जाती है जिससे बह जन्म मृत्यु के चक्र से भी मुक्ति पा सके. यह कथा हृदय और मन मे भक्ति को भरती है जिससे ब्यक्ति भगबान को समर्पित हो जाता है और ब्यक्ति का परम लक्ष संसार के बंधनो मुक्त होकर मोक्ष को प्राप्त करना हो जाता है.

आगे शास्त्रीजी ने कुण्डल पुर निवासी राजा भीष्मक की पुत्री रूकमणी का बिबाह द्वारका मे भगबान श्री कृष्ण से धूमधाम से हुआ बही श्री कृष्ण का बिबाह जामबंत की पुत्री जामबती से हुआ बही तीशरा बिबाह सत्यभामा से हुआ चतुर्थ बिबाह कालिंदी से हुआ इस तरह भगबान श्री कृष्ण की आठ मुख्य पटरानी थी बही काराग्रह मे बंद सोलह हजार एक सो कन्याओ से बिबाह भी सम्पन्न हुआ.शासकीय शिक्षक संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रथ्वी सिंह रघुवंशी ने बताया है कि पं प्रमेहानंद शास्त्री ने भागबत कथा कहते हुए भागवत कथा सबसे पहले भगबान बिष्णु ने बृम्माजी को,बृम्माजी ने नारदजी को,नारदजी ने सनकादिक रिषिओ को,सनकादिक रिषियों ने सूतजी को ,सूतजी ने सुखदेव मुनि को और सुखदेव मुनि ने राजा परिक्षित कथा सुनाई सुनकर बिमान मे बैठकर हरिधाम मोक्ष को प्राप्त हुआ. वहीं महाराजजी ने सुदामा चरित्र का भी वर्णन किया.

पटरी पार का सटोरिया किंग फिर पुलिस को चकमा देकर फरार

पट्टू, बल्ली और और गट्टू की तलाश कर रही पुलिस

कई सालों से खिला रहे सट्टा, हर बार बच निकलते

नवभारत न्यूज

विदिशा, खरीफाटक मछली मार्केट के पास पिछले कई सालों से खुलेआम सट्टा खिलाया जा रहा है. जिसकी कई बार शिकायत भी हुई लेकिन पुलिस के हाथ से हर बार सट्टा खिलाने वाले बच निकलते हैं. इस बार भी सिविल लाइन पुलिस की दबिश में तीन सटोरिया बच निकले जिनको पुलिस तलाश कर रही है.पुलिस के मुताबिक मछली मार्केट रोड पर रविवार को पुलिस ने दबिश देकर 6 सट्टेबाजों को गिरफ्तार किया है जिनके पास से 17 मोबाइल एवं 4 मोटरसाइकिल सहित कुल 3.63 लाख का मशरूका जप्त किया गया है.

सिविल लाइन टीआई ने बताया कि पट्टू, बल्ली और गट्टू फरार हैं जो सट्टा खिलाते थे.जिनकी तलाश की जा रही है. गौरतलब है कि पिछले कई सालों से यहां पर खुलेआम सट्टा खिलाने की शिकायत पुलिस के पास पहुंचती रहती है, लेकिन ठोस कार्यवाही न होन के चलते कुछ दिन तो सट्टा बंद रहता है उसके बाद फिर शुरू हो जाता है.

30 साल में भी साफ न हो सकी बेतवा, जय स्तंभ चौक पर हुई परिचर्चा में उठा मुद्दा

नवभारत न्यूज

विदिशा 14 सितम्बर, रविवार को विचार मंच ने जय स्तंभ चौराहा बजरिया में चौराहे पर चर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया. जिसका विषय पूर्व की चर्चा की तरह विदिशा शहर की बदतर हालातो पर जनप्रतिनिधियों की भूमिका था.इस परिचर्चा की आयोजक आनंद प्रताप सिंह ने कहा कि विदिशा के विकास की अनदेखी की जा रही है.

परीचर्चा का संचालन करते हुए नेता प्रतिपक्ष आशीष माहेश्वरी ने कहा कि, पिछले 25 सालों में शहर की इतनी बत्तर हालात नहीं हुई, इसका मुख्य कारण विधायक का

अहंकार और आगे महापौर बने के सपने हैं जो कभी संभव नहीं होंगे. डॉ नीरज शक्ति निगम ने कहा कि, इन बदतर हालातों के लिए हम सब के बराबर की जिम्मेदार हैं, हम लोग ही जनप्रतिनिधियों को लगातार चुनते आ रहे हैं, जिससे वह निरंकुश हो गए ,जब युवा बदलेगा तभी देश बदलेगा. पर्यावरण मित्र नीरज चौरसिया ने कहा कि विदिशा में पर्यावरण की दिशा में कोई कार्य नहीं किया. एडवोकेट अतुल वर्मा ने कहा कि शासन द्वारा सारे टैक्सों में बढ़ोतरी कर दी गई है. परिचर्चा से नहीं जन आंदोलन करना पड़ेगा.पूर्व पार्षद गोवर्धन साहू ने कहा कि बेतवा शुद्धिकरण का काम 1996 से हो रहा है लेकिन आज 30 साल बाद भी संभव नहीं हो सका. समाज सेवी करतार सिंह ने कहा कि, जनता को दबे शब्दों में नहीं खुलकर बोलना चाहिए कि शहर की बदहाल स्थिति के जिम्मेदार सांसद, विधायक और नगर पालिका अध्यक्ष बराबरी से है.मजीद मंसूरी ने कहा,रजिस्ट्री पर स्टांप ड्यूटी में 300त्न की वृद्धि हो गई है. पार्षद धर्मेंद्र यादव ने कहा कि ,शहर में स्मार्ट मीटर लगाने की बड़ी समस्या है इससे गरीबों के घरों के बिल 10 गुना हो गए. ब्राह्मण परिषद के अध्यक्ष सुमित वैद्य ने कहा कि, विदिशा में विकास सिर्फ यहां के जनप्रतिनिधियों के बच्चों और परिवार का हुआ है ,यहां का युवा तो आज भी बेरोजगारी से जूझ रहा है. इसके अलावा इस परिचर्चा को पार्षद प्रतिनिधि राजेश नेमा, प्रमोद शर्मा ,दिनेश विश्वकर्मा, उमेश कुमार त्रिपाठी, नरेंद्र शर्मा तुमैना, शिवराज सिंह मीणा आदि ने भी संबोधित किया .कार्यक्रम में मुख्य रूप से संदीप अमावते, कोमल जाटव, अब्दुल हक ,जावेद मंसूरी ,सलीम खान ,शहजाद मुन्ना भाई ,शंकर सिंह तोमर ,मदन सोनी, संतोष पुरोहित आदि उपस्थित थे.

दिव्यांगजनों को यूडीआईडी कार्ड बनवाने शिविर कल

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा, ऐसे दिव्यांगजन जिनके यूडीआईडी कार्ड अब तक नहीं बने हैं, उनके लिए ब्लॉक स्तर पर विशेष शिविर 16 सितम्बर को 11 बजे से नगरपालिका परिसर में आयोजित किया जा रहा है.नपा द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि समस्त दिव्यांग जन जिनके कार्ड अब तक नहीं बने है या जिनके पास पुराने हाथ से बने हुए प्रमाणपत्र हैं.वे यूडीआईडी पोर्टल पर अपना पंजीयन ऑनलाइन करवा कर नगरपालिका में सुबह 11 बजे उपस्थित हों. इसके अलावा वे किसी भी असुविधा से बचने के लिए अपनी समग्र आईडी, आधार कार्ड, दो फोटो यूडीआईडी पोर्टल पर पंजीयन करवाकर उसकी रसीद लेकर शिविर में आयें.

युवाओं ने मुक्तिधाम में श्रमदान कर बदली तस्वीर

नवभारत न्यूज

सिरोंज, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद से संबद्ध नवांकुर संस्था सर्वधर्म जनकल्याण सेवा समिति बगरोदा के कार्यकर्ताओं ने रविवार को गांव के मुक्तिधाम परिसर में श्रमदान कर स्वच्छता की मिसाल पेश की. समिति द्वारा संचालित आओ कुछ अच्छा करते हैं अभियान के अंतर्गत प्रत्येक रविवार को गांव के मंदिर, स्कूल, आंगनबाड़ी और सार्वजनिक स्थलों की सफाई की जा रही है. इस रविवार को मुक्तिधाम परिसर में कार्यकर्ताओं ने लगातार दो घंटे तक श्रमदान कर पूरी तस्वीर ही बदल दी. सफाई के

बाद परिसर स्वच्छ और व्यवस्थित दिखाई देने लगा. समिति अध्यक्ष सुनील रघुवंशी ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य केवल सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीणों और युवाओं को प्रेरित करना है कि वे सार्वजनिक एवं सरकारी संपत्तियों की देखभाल करें. इससे पूर्व गांव के एक मंदिर परिसर को भी मोहल्ले के युवाओं ने साफ कर स्वच्छता का संदेश दिया था. बगरोदा से मिली इस प्रेरणा से सिरोंज में भी युवाओं की टीम ने रविवार को सफाई अभियान की शुरुआत की है. समिति संयोजक प्रमोद रघुवंशी ने कहा कि हमारा संकल्प है कि यह पहल गांव-गांव और शहर-शहर तक पहुंचे, ताकि लोग आगे बढ़कर न केवल स्वच्छता अपनाएं बल्कि सार्वजनिक स्थलों को संरक्षित और सुरक्षित रखने की जिम्मेदारी भी निभाएं. इस दौरान शिवराज सिंह, दीपक ठाकुर, नरेंद्र रघुवंशी, धर्मेंद्र सिंह, राकेश सिंह, शिवम रघुवंशी, राजू बाल्मिकी, संजीव पाल सहित बड़ी संख्या समिति के कार्यकर्ता मौजूद रहे.

नवरात्रि से पहले विदिशा में जुटेंगी प्रांत भर की 1500 छात्राएं

छात्रा सम्मेलन 15-16 सितंबर को विदिशा में होगा

नवभारत न्यूज

विदिशा, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के तत्वाधान में मश्वभारत प्रांत का प्रांत छात्रा सम्मेलन 15-16 सितंबर को विदिशा नगर में किया जा रहा है. इस छात्रा सम्मेलन में मध्यभारत प्रांत के 18 जिले 1500 चयनित छात्रा प्रतिनिधि भाग ले रही है तथा छात्राओं से जुड़े अनेकों विषय शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन; भारतीय चिंतन में महिला तथा महिला संस्कार से विकसित भारत निर्माण ऐसे सभी विषयों पर भाषण, चर्चा, संवाद रहेगा. यह प्रांत छात्रा सम्मेलन छात्राओं के समसामयिक विषयों पर चर्चा करते हुए, छात्राओं की वैचारिक स्पष्टता बढ़ाने तथा उन्हें प्रभावी रूप से समाज का नेतृत्व करने में भी सहायक होगा.प्रेस वार्ता में अभाविप की राष्ट्रीय मंत्री शालिनी वर्मा ने बताया कि इस प्रांत छात्रा सम्मेलन में छात्राओं से संबंधित एक मांग पत्र भी तैयार होने वाला है. जिसमें प्रदेश के शैक्षणिक संस्थानों के पास चल रहे कैबिन

कैफे पर प्रतिबंध, लव जिहाद जैसे विषयों पर शैक्षणिक संस्थाओं में काउंसलिंग सेल का गठन करना, खेल मैदानों में गर्ल्स कॉमन रूम की व्यवस्था, छात्रावासों की संख्या में वृद्धि करना आदि मांगों को सम्मिलित किया है. इस प्रांत छात्रा सम्मेलन की शुरूआत 15 सितंबर को दोपहर 11.30 बजे रविन्द्र नाथ टैगोर सभागार में होगी.4 बजे से रविंद्र नाथ टैगोर सभागार से शोभा यात्रा शुरू होकर नीमताल होते हुए माधव गंज जाएगी जहां प्रदेश भर से आने वाले चयनित छात्र वक्ता लव जिहाद, विकसित भारत में महिलाओं की भूमिका आदि विषयों भाषण देंगी. इस प्रेस वार्ता में अभाविप की प्रांत सहमंत्री रश्मि राजपूत, बंदना यादव उपस्थित रहीं.

लापरवाही — **सांची में अंधेरे का साम्राज्य, पर्यटन और विकास दोनों पर संकट**

बिजली व्यवस्था ध्वस्त, प्रशासन मौन

नवभारत न्यूज

सांची,विश्व धरोहर के रूप में पहचाने जाने वाला यह नगर आज बिजली अव्यवस्था के अंधकार में डूबा हुआ है.यहां बिजली कब जाएगी और कब आएगी, इसका किसी को अंदाज़ा तक नहीं रहता. नगर के लोग और यहां आने वाले पर्यटक हर दिन इस बदइंतज़ामी का दंश झेल रहे हैं. पूरे नगर की बिजली व्यवस्था पूरी तरह छिन्न-भिन्न हो चुकी है.सरकार और प्रशासन जहां सांची को स्वच्छ और आकर्षक बनाकर अधिक से अधिक पर्यटकों को लुभाने की बातें करते हैं, वहीं हकीकत यह है कि नगर की रोशनी छीनने वाली

अव्यवस्थित बिजली व्यवस्था पर किसी की नज़र नहीं जाती.बिजली व्यवस्था सुधारने का जिम्मा उठाने वाली कंपनी की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं.लाखों-करोड़ों खर्च करने के बाद भी हालात जस के तस हैं.जगह-जगह बिछाई गई केवल आए दिन धधक उठती हैं, जिससे आग लगने का खतरा मंडराता रहता है.लोगों में भय व्याप्त है, पर जिम्मेदारों की लापरवाही कम नहीं हो रही.वार्ड 3 में नई केवल डाली गई है, लेकिन सवाल यह है कि क्या सिर्फ एक वार्ड की मरम्मत से पूरे नगर की बिजली समस्या खत्म हो जाएगी?

राजमार्ग पर भी बदइंतजामी का बोलबाला

राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण एजेंसी ने सड़क किनारे रोशनी का जिम्मा लिया था.पोल खड़े किए गए. अंडरग्राउंड केवल डाली गईं. लेकिन इनकी घटिया गुणवत्ता जल्द ही सामने आ गई. पोल आड़े-तिरछे होकर टूटने की कगार पर हैं, जगह-जगह केवल के टुकड़े बिखरे पड़े हैं और लाइटें फ्यूज़ होकर नगर को अंधेरे की गिरफ्त में धकेल चुकी हैं.सरकार और विभाग इस पर करोड़ों रुपये खर्च कर चुके हैं, लेकिन रखरखाव और निगरानी पर शून्य ध्यान है.जब-जब लोग आवाज़ उठाते हैं,अधिकारी और कर्मचारी कुछ दिन रस्मअदायगी करते हैं, फिर सबकुछ पुराने ढर्रे पर लौट आता है.सांची जैसे विश्वप्रसिद्ध स्थल पर इस तरह की बिजली अव्यवस्था जारी रहेगी? क्या पर्यटन और विकास केवल कागज़ी आंकड़े बनकर रह जाएंगे?लोग अब प्रशासन से ठोस कार्रवाई की मांग कर रहे हैं, ताकि सांची अंधेरे से निकलकर सचमुच रोशन हो सके.

संस्कृत महारानी, हिन्दी बहुरानी और एक अंग्रेजी नौकरानी-यादव

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा, भारत में बेल्जियम के चमकते सितारे फादर कामथ बुल्के ने भारतीय भाषाओं की प्रशंसा में बहुत ही खूबसूरत बात कही है.उन्होंने कहा है कि संस्कृत महारानी है, हिन्दी बहुरानी है और अंग्रेजी नौकरानी है.

यह बात सैण्ट एसआरएस स्कूल के प्राचार्य उमेश चंद्र यादव ने हिन्दी दिवस के अवसर पर आयोजित संगोष्ठी में पहली बार किसी विदेशी द्वारा हिन्दी में राम कथा पर शोधकर्ता फादर कामथ बुल्के के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए कही. ज्ञात हो कि एनएसएस स्वयं-सेवकों द्वारा आयोजित संगोष्ठी में प्राचार्य ने छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए हिन्दी और संस्कृत की लिपि देवनागरी की वैज्ञानिकता पर चर्चा की. एनएसएस बालक इकाई प्रभारी कृष्ण पाल सिंह चौहान ने बताया कि संस्कारों से संस्कृति बनती है और संस्कार निज भाषा से निर्मित हैं.बालिका इकाई प्रभारी श्रीमती रजनी गुप्ता ने समझाया कि हिन्दी के अ से अनार, ज्ञ से ज्ञानी बनोगे.जबकि अंग्रेजी के ए से एप्पल और जेड से जेबरा और जानवर बनोगे.कार्यक्रम का संचालन दिनकर कद्रे ने किया.कार्यक्रम में गोपाल पाठशाला प्रभारी दीपेश मीणा, प्रियंका अग्रवाल, अजय विश्वकर्मा, श्रीमती रंजू राठौर, विक्रांत सोनी, विक्रम सिंह लोधी, गोविंद कुशवाह, आकाश साहू, कुलदीप रघुवंशी ने विचार रखे. इस दौरान मातृ भाषा और राष्ट्र भाषा हिन्दी को आम लोगों की बोलचाल की भाषा से लेकर साहित्यिक और प्रशासनिक भाषा के रूप में समृद्ध, सुसंस्कृत और व्यापक बनाने की शपथ ली.

निःशुल्क सेवा
- शव वाहन / फ्रीज़र
- ब्लड ग्रुप लिस्ट
- मरीज इलाज उपकरण
- पुराने लेकिन पहनने योग्य वस्त्र
- देहदान नेत्रदान संकल्प के लिए

शेरपुरा विदिशा में विकास पचौरी फोटो स्टूडियो के बगल में स्थित सुनो रेडियो स्टेशन पर संपर्क करें.

बजने लगा है
विकास पचौरी फाउण्डेशन द्वारा प्रसारित
सुनो RADIO
प्ले स्टोर से डाउनलोड करके जुड़िये सुनो RADIO से